मुकदमा नंबर सन्..20

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
Sir, Identified by me अविनाश सिंह वादी 1 के वास्ते अ.नि. ... अ.नि. ... वादी ① वादी ② वादी ③ नाथूसिंह राजीनामा की उपरोक्त प्रकरण मे इन्द्राज हो गया है कार्यवाही नही चाहते हैं Sd 18.1.19 (Ad. सलीम बाबू) अधिवक्ता वादीगण	18/1/19 प्रार्थीगण के अधिवक्ता श्री सलीम बाबू उपस्थित अप्रार्थीगण के अधिवक्ता श्री सलीम मोहम्मद उपस्थित। प्रार्थी संख्या 1 के वारिसान एव प्रार्थी संख्या 2 से 4 स्वयं उपस्थित। अप्रार्थी संख्या 1 से 6 स्वयं उपस्थित उनकी पहचान उनके अधिवक्ता ने की है। प्रार्थीगण के अधिवक्ता एव अप्रार्थीगण के अधिवक्ता ने राजिनामा पेश कर निवेदन किया कि उक्त प्रकरण मे प्रार्थीगण एव अप्रार्थीगण के मध्य आपस मे राजिनामा हो गया है। जिस कारण उभयपक्षकारान उक्त प्रकरण मे अग्रिम कार्यवाही नही चाहते है। एव कार्यवाही ड्रोप करवाना चाहते है। प्रस्तुत राजिनामा स्वीकार कर प्रकरण की कार्यवाही ड्रोप करने के आदेश प्रदान करावे। मैने प्रस्तुत राजिनामा का अवलोकन किया गया उभयपक्षकारान सहमति एव राजिनामा से प्रकरण की कार्यवाही ड्रोप करवाना चाहते है। ऐसी स्थिति मे राजिनामा स्वीकार योग्य होने से स्वीकार किया जाता है तथा प्रकरण की इसी स्तर पर कार्यवाही ड्रोप करने के आदेश पारित किये जाते है। आदेश आज खुले न्यायालय मे सुनाया गया। मिसल फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो बाद दफ्तर दाखिल हो। (पर्वतसिंह चूण्डावत) खण्ड अधि. एवं सहायक कलक्टर मसूदा (अजमेर) राज.	ह.प्र. अ.नि. ... नाथूसिंह प्रतिवादी निरमा ... Sir Identified 18.1.19 Ad. सलीम मोहम्मद अधिवक्ता प्रतिवादीगण

Signature Not Verified
Digitally signed by Mohan Lal Khatnawalia
Date: 2019.12.24 15:58:00 IST
Reason: SelfAttested